गोवा विश्वविद्यालय

शणै गोंयबाब भाषा और साहित्य महाशाला

हिंदी अध्ययन शाखा

कार्यक्रम : स्नातकोत्तर हिंदी

पाठ्यक्रम : HIN-621

पाठ्यक्रम का शीर्षक : स्वातंत्र्योत्तर हिंदी काव्य का इतिहास

श्रेयांक : 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू : 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	हिंदी काव्य के इतिहास की जानकारी अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• स्वतंत्रतापूर्व हिंदी काव्य के इतिहास से परिचित कराना। • स्वातंत्र्योत्तर हिंदी काव्य के युगीन परिवेश को स्पष्ट कराना। • स्वातंत्र्योत्तर हिंदी काव्य के विविध आंदोलनों से अवगत कराना। • स्वातंत्र्योत्तर हिंदी काव्य के विविध आयामों से परिचित कराना।	
पाठ्य विषय	**1. स्वतंत्रतापूर्व हिंदी काव्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि** • भारतेंदु युगीन काव्य • द्विवेदी युगीन काव्य • छायावाद • प्रगतिवाद • प्रयोगवाद	**10**
	2. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता का युगीन परिवेश • सन् 1947 से सन् 1975 तक • सन् 1975 से सन् 1990 तक • सन् 1990 से सन् 2000 तक • सन् 2000 से सन् 2020 तक	**20**

	3. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता : विविध आंदोलन • नई कविता • साठोत्तरी कविता - अकविता, सहज कविता, समांतर कविता, जनवादी कविता आदि।	**12**
	4. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता : विविध आयाम • भूमंडलीय कविता • दलित कविता • स्त्री कविता • आदिवासी कविता	**18**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद-विवाद, संवाद, स्वाध्याय, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) कुमार, अजय. दलित पैंथर आंदोलन, गौतम बुक सेंटर. दिल्ली, 2006. 2) खेतान, प्रभा. बाज़ार के बीच बाज़ार के ख़िलाफ़. विद्यानिधि, दिल्ली, 2004. 3) गुलाबराय, बाबू. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास. लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा, 2009. 4) डॉ॰ नगेंद्र, डॉ॰ हरदयाल. हिंदी साहित्य का इतिहास. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 2017. 5) दीक्षित, डॉ॰ प्रभा, भूमंडलीकरण का अमानवीय चेहरा. सरस्वती प्रकाशन, कानपुर, 2016. 6) द्विवेदी, डॉ॰ हज़ारी प्रसाद. हिंदी साहित्य की भूमिका. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2016. 7) पंडित, सुरेश. भूमंडलीकरण के दौर में समाज और संस्कृति. शिल्पायन, दिल्ली, 2010. 8) पांडेय, प्रभात (सं॰). हिंदी कविता आज़ादी के बाद. प्रतिध्वनि, कोलकाता, 2007. 9) प्रकाश, उदय. कवि ने कहा. किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली, 2002. 10) प्रियदर्शन. ग्लोबल समय में कविता. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014.	

	11) भास्कर, कुमार. भूमंडलीकरण और स्त्री. संजय प्रकाशन, दिल्ली, 2008. 12) मंडलोई, लीलाधर (सं॰) कविता के सौ बरस. शिल्पायन, दिल्ली, 2008. 13) मुक्तिबोध, गजानन माधव. नई कविता का आत्मसंघर्ष और अन्य निबंध. विश्वभारती प्रकाशन, नागपुर, 1964. 14) वार्ष्णेय, लक्ष्मीसागर. हिंदी साहित्य का इतिहास. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2009. 15) वाल्मीकि, ओमप्रकाश. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र. राधाकृष्ण प्रकाशन. दिल्ली, 2014. 16) शुक्ल, आचार्य रामचंद्र. हिंदी साहित्य का इतिहास. प्रकाशन संस्थान, दिल्ली, 2003. 17) श्रीवास्तव, परमानंद. कविता का उत्तर जीवन. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004. 18) श्रीवास्तव, परमानंद. समकालीन हिंदी कविता. साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली, 1990. 19) सिंह, डॉ॰ बच्चन. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास. राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1996. 20) सिंह, प्रो॰ नामवर. कविता के नए प्रतिमान. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014.	
अधिगम परिणाम	• स्वतंत्रतापूर्व हिंदी काव्य के इतिहास से परिचित होंगे। • स्वातंत्र्योत्तर हिंदी काव्य के युगीन परिवेश को समझ सकेंगे। • स्वातंत्र्योत्तर हिंदी काव्य के विविध आंदोलनों से अवगत होंगे। • स्वातंत्र्योत्तर हिंदी काव्य के विविध आयामों से परिचित होंगे।	